© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS
Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

घरेलू जल सुरक्षा तोशाम का एक भौगोलिक अध्ययन

Sajjan Kumar ,
Research Scholar Department of Geography , Sunrise University, Alwar
ssjaihind1@gmail.com
Dr Sanjay Gupta,
Associate Professor in Geography, Vaish College Rohtak

सारांश

घरेलू जल सुरक्षा शोध क्षेत्र में नया शब्द है। इसके अंतर्गत जल की पाइप द्वारा पहुंच, बेहतर सेनिटेशन एवं हाइजीन को शामिल किया गया है। घरेलू जल सुरक्षा में पानी की पहुंच घरो तक इस तरह से होनी चाहिए कि किसी भी परिवार पर इसका अतिरिक्त बोझ ना पड़े और उन्हें पर्याप्त मात्रा में व किफायती कीमत पर शुद्ध साफ स्वच्छ जल और कम से कम दूरी पर प्राप्त हो। पेयजल की मात्रा एवं गुणवत्ता भी घरेलू जल सुरक्षा के लिए आवश्यक है। पेयजल के अतिरिक्त साफ-सफाई एवं अन्य घरेलू कार्यों के लिए उपलब्ध पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध होना आवश्यक है। हाइजीन के लिए शुद्ध पानी की आवश्यकता होती है। ताकि समाज में विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचाया जा सके।

मूल शब्द -जीवन , गुणवत्ता , जल सुरक्षा, हाइजीन

घरेलू जल सुरक्षा जलापूर्ति, बेहतर सेनिटेशन, हाइजीन का मिश्रण है। जो राष्ट्रीय जल सुरक्षा की पांच आयामों में से एक है घरेलू जल सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। क्योंकि पानी ही जीवन का एक अहम तत्व है। जि-सके बिना जीवन नसवार है। पानी प्रकृति के लिए भी आवश्यक है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने सन 2010 में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जल और बेहतर सेनिटेशन के क्षेत्र में निर्णय लिया। घरेलू उपयोग एवं व्यक्तिगत उपयोग के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी तक हर व्यक्ति की पहुंच हो। जो पूर्ण रूप से सुरक्षित स्वीकार्य और किफायती दर पर उपलब्ध होना चाहिए। पानी की लागत घरेलू आय से 3% से अधिक नहीं होनी चाहिए एवं पानी का संग्रहण करने का समय 30 मिनट से अधिक नहीं हो और पानी घर से 100 मीटर की दूरी के अंदर उपलब्ध होना चाहिए।

1. तोशाम तहसील में पाइप जल आपूर्ति की स्थिति

तोशाम तहसील में पाइप से जल आपूर्ति की स्थिति ग्रामीण क्षेत्र में पानी की आपूर्ति शहरी तर्ज पर की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्र में बहुत से घर तक पाइप द्वारा आपूर्ति घरो तक नही हो पा रही है। पानी की आवश्यकता की पूर्ति गांवों में बिना पाइप के पानी नहीं हो सकती। इसलिए आवश्यक है कि गांव में पाइपलाइन की अच्छी व्यवस्था हो ताकि आवश्यकता अनुरूप जल की आपूर्ति हो सके। हरियाणा में 92.62% घरों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन से जुड़े हुऐ हैं। जो हरियाणा के 8 जिले 62 ब्लॉक और 5444 गांव में घरों को जल जीवन मिशन तहत पाईप से जोड़ा जा चुका है। भिवानी जिले के 2 ब्लाक 286 गाँवो के 94.19% मकान में नल द्वारा पानी पहुँचता है।

ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

तोशाम तहसिल के 100% घर जल जीवन मिशन से जुड़े हुऐ हैं। सभी सभी घरों में पाइप द्वारा जल की आपूर्ति होती है। सरकारी योजना तथा सहकारी या निजी योजना के द्वारा सभी घरों में पानी पहुंचता है। प्रत्येक गांव में पाइपलाइन गलियों में जल जीवन मिशन(जेजेएम) के तहत बिछाई जा चुकी है और सभी घरों में नल का कनेक्शन है। किन्तु पानी की दैनिक आपूर्ति नियत समय पर और पर्याप्त मात्रा में ना होने के कारण पानी की किल्लत बनी रहती है। विशेष कर गर्मियों में पेय जल की पहुँच पर्याप्त मात्रा में खपत के अनुरूप नही हो पाती है।

कुछ चुनौतियां है जो घरेलू जल आपूर्ति को बाधित कर रही हैं। यह अग्र लिखित हैं। :-1) साफ व स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति ग्रामिण क्षेत्र में एक समस्या है। 2) स्वच्छता (सेनिटाईज) एवं हाईजिन जिनकी गंभीर समस्या गांवों में हैं। 3) पानी की पहुँच नियमित रूप से होती है। 4) पानी स्रोतों की स्थिति बेहतर नहीं है। 5) पानी संग्रहण करने की समस्या ग्रामिण क्षेत्र में होती है। जो पाईप जल आपूर्ति की परिस्थिति के सर्वे के माध्यम से जाना और उसका विश्लेषण अग्रिम तालिकाओ में किया है।

तालिका 1.1 तोशाम : ग्रामानुसार पाइप के माध्यम से पानी की आपूर्ति

गांव	पाइप	अन्य
हसान	62	38
कतवार	60	40
दुल्हैडी	70	30
साहलेवाला	70	30
निगाना खुर्द	72	28
निगाना कलां	75	25
देवावास	60	40
धाणी कतवार	62	38
डाडम	75	25
पटोदी	70	30
संडवा	58	42
ईशरवाल	57	43
सरल	55	45
बुसान	60	40
धाणी माहू	62	38
रोढा	75	25
बागनवाला	80	20
चनाना	78	22
ढाणी सरल	78	22
खानक	80	20

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS
Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

धाणी मिरान	60	40
बाजिना	58	42
थिलोड	60	40
पिंजोखरा	70	30
दरियापुर	72	28
ढाणी दरियापुर	75	25
लक्ष्मणपुरा	70	30
खरकरी सोहन	60	40
बिडोला	70	30
आलमपुर	55	45
भारिवास	60	40
भेरा	58	42
जैनावास	60	40
खरकरी माखवान	62	38
खावा	60	40
बागानवाला	75	25
झावरी	45	55
छपार जोगियान	55	45
सिडान	60	40
छपार	62	38
रंगरान	64	36
अलखपुरा	62	38
झुल्ली	60	40
मांढन	58	42
गारनपुरा	60	40
ढाणी रिवासा	62	38
धारण	60	40
ढाणी बिरन	58	42
तोशाम (ग्रामीण)	62	38
धारण	60	40
सांगवान	58	42
रिवासा	52	48
डांग खुर्द	55	45
डांग कलां	40	60

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS
Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

कुल	60	40

तालिका 1.1. में तोशाम के सभी गांव के पानी की आपूर्ति के बारे में दर्शाया गया है पीने के पानी की 1 आपूर्ति सभी परिवारों के लिए एक मुख्य मुद्दा हैं।हैं। पानी कीसप्लाई का मुख्य स्त्रोत पाइप ही है।

तालिका 1.2 तोशाम: ग्राम अनुसार जल आपूर्ति योजना

गांव	सरकारी योजना	सामुदायिक योजना
हसान	70	30
कतवार	80	20
दुल्हैडी	75	25
साहलेवाला	80	20
निगाना खुर्द	62	38
निगाना कलां	80	20
देवावास	78	22
धाणी कतवार	79	21
डाडम	80	20
पटोदी	78	22
संडवा	79	21
ईशरवाल	80	20
सरल	79	21
बुसान	78	22
धाणी माहू	77	23
रोढा	78	22
बागनवाला	80	20
चनाना	81	19
ढाणी सरल	81	19
खानक	80	20
धाणी मिरान	79	21
बाजिना	80	20
थिलोड	75	25
पिंजोखरा	76	24
दरियापुर	76	24
ढाणी दरियापुर	77	23
लक्ष्मणपुरा	75	25

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS
Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

खरकरी सोहन	76	24
बिडोला	75	25
आलमपुर	80	20
भारिवास	81	19
भेरा	81	19
जैनावास	80	20
खरकरी माखवान	75	25
खावा	76	24
बागानवाला	76	24
झावरी	77	23
छपार जोगियान	80	20
सिडान	81	19
छपार	80	20
रंगरान	81	19
अलखपुरा	80	20
झुल्ली	76	24
मांढन	76	24
गारनपुरा	80	20
ढाणी रिवासा	79	21
धारण	78	22
ढाणी बिरन	80	20
तोशाम (ग्रामीण)	81	19
धारण	90	10
सांगवान	91	9
रिवासा	89	11
डांग खुर्द	89	11
डांग कलां	90	10
कुल	90	10

तालिका 1.2. तोशाम के सभी गांव में किस किस योजना के 2द्वारा जल की आपूर्ति होती है यह दर्शाया गया है जिसमें मुख्य रूप से गांव में जलापूर्ति सप्लाई सरकारी योजना के द्वारा पाई गई है तथा कुछ गांव में सामुदायिक योजना के द्वारा भी जलापूर्ति व्यवस्था पाई गई है।

तालिका 1.3 तोशाम: अतिरिक्त जल प्रवाह को रोकने के लिए टूटी का उपयोग

गांव	**हां**	**नहीं**

© INNOVATIVE RESEARCH THOUGHTS
Refereed | Peer Reviewed | Indexed
ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

हसान	70	30
कतवार	80	20
दुल्हैडी	90	10
साहलेवाला	90	10
निगाना खुर्द	80	20
निगाना कलां	75	25
देवावास	80	20
धाणी कतवार	80	20
डाडम	75	25
पटोदी	80	20
संडवा	81	19
ईशरवाल	80	20
सरल	75	25
बुसान	76	24
धाणी माहू	75	25
रोढा	81	19
बागनवाला	80	20
चनाना	75	25
ढाणी सरल	80	20
खानक	90	10
धाणी मिरान	90	10
बाजिना	91	9
थिलोड	89	11
पिंजोखरा	89	11
दरियापुर	90	10
ढाणी दरियापुर	80	20
लक्ष्मणपुरा	81	19
खरकरी सोहन	80	20
बिडोला	90	10
आलमपुर	90	10
भारिवास	88	12
भेरा	90	10
जैनावास	88	12
खरकरी माखवान	89	11

ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

खावा	90	10
बागानवाला	80	20
झावरी	80	20
छपार जोगियान	90	10
सिडान	80	20
छपार	80	20
रंगरान	90	10
अलखपुरा	91	9
झुल्ली	90	10
मांढन	91	9
गारनपुरा	88	12
ढाणी रिवासा	90	10
धारण	80	20
ढाणी बिरन	75	25
तोशाम (ग्रामीण)	75	25
धारण	90	10
सांगवान	92	8
रिवासा	91	9
डांग खुर्द	90	10
डांग कलां	80	20
कुल	70	30

तालिका 1.3. यह दर्शाया गया है कि तोशाम के गांव में परिवारों के द्वारा अतिरिक्त जल प्रवाह को रोकने 3 के लिए टूटी का प्रयोग हो रहा है या नहीं किस में पाया गया है कि गांव में %70घरों में अतिरिक्त जल प्रवाह रोकने के लिए टूटी का प्रयोग कर रहे हैं जबकि %30घरों में टूटी प्रयोग ना के बराबर पाया गया है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. दिपेश एन, (1967) ग्रामीण समाज के विकास का स्तरः एक ऐतिहासिक समीक्षा, पुष्पक महल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मिश्रा, आर पी और सुंदरम, के डी, (1979) ग्रामीण विकास परिप्रेक्ष्य और दृष्टिकोण, स्टर्लिंग प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. स्वामीनाथन, एम, एस, (1973) भारत में कृषि की प्रवृत्ति और पैटर्न स्वतंत्रता के बाद का अस्थायी विश्लेषण। टाइम्स ऑफ इंडिया, 24 अगस्त 1986. नई दिल्ली।
4. त्रिपाठी, डी. एन., 1989 : ग्रामीण विकास, अवधारणा और उद्देश्य जनगणना हस्त पुस्तिका 1991,
5. मिश्रा, आरपी और सुंद्रम, के.वी., 1979 ग्रामीण विकास, परिप्रेक्ष्य और दृष्टिकोण, स्टर्लिंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। पृष्ठ 428

ISSN : 2454 – 308X | Volume : 08 , Issue : 01 | January - March 2022

6. बर्ट्रेंड, 1991 ग्रामीण समाजशास्त्र, पृष्ठ 9–10
7. एम0 एन0 श्रीनिवास – इण्डियाज विलेज
8. सिंह, एस.बी., 1974 सुल्तानपुर जिला, ग्रामीण अधिवास में एक अध्ययन
9. शर्मा, सुरेश चन्द्र एवं त्रिपाठी, देव नारायण, 1989 ग्रामीण विकास संकल्पना एवं उद्देश्य, सम्पादकद्वय प्रमोद सिंह और अमिताभ तिवारी, पर्यावरण विज्ञान अध्ययन केन्द्र, इलाहाबाद, पृ0 14–19